

यह जानकारी उत्तर प्रदेश के सभी बिजली उपभोक्ताओं के लिए है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़े सभी सामान्य प्रश्नों के उत्तर नीचे दिए गए हैं।

## 1 स्मार्ट प्रीपेड मीटर क्या है ?

स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक आधुनिक बिजली मीटर है। इसमें बिजली का मापन पुराने मीटर की तरह ही होता है, बस इसमें संचार तकनीक (GPRS/RF) हेतु एक अतिरिक्त उपकरण लगा होता है। यह आपकी खपत के आँकड़े लगातार कंट्रोल रूम को भेजता है, जिससे मीटर रीडर के माध्यम से मीटर रीडिंग कराने की जरूरत खत्म हो जाती है और आपको हर समय एवं सटीक आँकड़े प्राप्त होते हैं।

यह मोबाइल फोन के प्रीपेड सिम की तरह काम करता है, जहाँ आप पहले पैसे जमा (रिचार्ज) करते हैं और फिर बिजली का उपयोग करते हैं।

## 2 स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए कितने पैसे देने होंगे ?

### पुराने उपभोक्ताओं के लिए

मौजूदा मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदलने की प्रक्रिया पूरी तरह **निःशुल्क (Free of Cost)** है। इसके लिए कोई पैसा या शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

### नए कनेक्शन के लिए

नए विद्युत कनेक्शन के लिये स्मार्ट मीटर लागत (Cost) उपभोक्ता को देनी होगी। यह सामान्य मीटर के लिए भी देनी होती थी। यह लागत उ०प्र० विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय की गई है।

## 3 स्मार्ट प्रीपेड मीटर के मुख्य लाभ क्या हैं?

- छूट:** प्रीपेड उपभोक्ताओं को बैलेंस पॉजिटिव रखने पर बिजली दरों में **2% की विशेष छूट** मिलती है।
- बजट नियंत्रण:** आप देख सकते हैं कि रोज कितनी बिजली खर्च हो रही है, जिससे आप फिजूलखर्ची रोक सकते हैं।
- पारदर्शी ऑटोमेटिक रीडिंग:** मीटर रीडिंग हेतु मीटर रीडर अब आपके घर नहीं आयेगे। मीटर रीडिंग में होने वाली मानवीय गलतियों की संभावना शून्य हो जाती है।
- अलर्ट:** SMS के जरिए आवश्यक सूचनाएँ मिलती हैं।
- आसान रिचार्ज:** घर बैठे रिचार्ज की सुविधा।
- मोबाइल ऐप:** यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप अवश्य डाउनलोड करें, जिससे कि आपको सभी सूचनायें, जानकारीयाँ एवं एलर्ट तत्काल उपलब्ध होंगे।
- स्मार्ट मीटर के खराब होने पर इसकी सूचना स्वतः डिस्कॉम को प्राप्त हो जाती है जिससे समस्या का त्वरित समाधान होता है।

## 4 क्या प्रीपेड होने पर बिजली महंगी हो जाती है ?

जी नहीं। बिजली की दरें (टैरिफ) वही रहती हैं जो राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय की जाती हैं। बल्कि, प्रीपेड मोड में बैलेंस पॉजिटिव रखने पर आपको **2% की अतिरिक्त छूट** मिलती है, जिससे आपकी बिजली और सस्ती हो जाती है।

## 5 क्या स्मार्ट मीटर तेज चलते हैं?

जी नहीं। यह मात्र एक भ्रम है। स्मार्ट मीटर वही IS-प्रमाणित (Indian Standards) सटीकता प्रदान करते हैं जो पुराने इलेक्ट्रॉनिक मीटर देते थे। जैसा कि ऊपर बताया गया है स्मार्ट मीटर में बिजली का मापन पुराने मीटर की तरह ही होता है, बस इसमें संचार तकनीक (GPRS/RF) हेतु एक अतिरिक्त उपकरण लगा होता है।

स्मार्ट मीटर की सटीकता की जाँच लैब में कठोर परीक्षणों द्वारा की जाती है। अभी तक पूरे प्रदेश में लगभग **83 लाख स्मार्ट मीटर** लगाये जा चुके हैं, जिसके सापेक्ष लगभग 5.22 लाख पुराने मीटरों को चेक मीटर की तरह लगाया गया है। इनकी तुलना में कोई भी स्मार्ट मीटर तेज चलता हुआ नहीं पाया गया है।

## 6 क्या मेरा कनेक्शन प्रीपेड होने के बाद तुरंत कट जायेगा ?

जी नहीं। मीटर प्रीपेड के रूप में सक्रिय होने पर आपको SMS प्राप्त होगा। प्रीपेड होने के बाद **30 दिनों का ग्रेस पीरियड** दिया जाता है ताकि आप रिचार्ज की प्रक्रिया समझ सकें। इस अवधि में प्री-पेड बैलेंस खत्म होने पर भी आपका कनेक्शन नहीं कटेगा।

यदि 30 दिन के ग्रेस पीरियड के पश्चात आपका प्री-पेड बैलेंस समाप्त हो जाता है, तो 3 दिन का इमरजेंसी क्रेडिट पीरियड दिया जाता है।

#### बिजली इन समयों में नहीं कटेगी (भले ही बैलेंस खत्म हो):

- रात का समय : शाम 6:00 बजे से सुबह 8:00 बजे तक।
- अवकाश : रविवार, दूसरे शनिवार और सभी सार्वजनिक अवकाश।  
(नोट: इस दौरान खर्च की गई बिजली की राशि आपके अगले रिचार्ज से स्वतः कट जाएगी।)

### 7 मैं अपना स्मार्ट मीटर रिचार्ज कैसे करूँ?

रिचार्ज के कई आसान तरीके हैं:

- वेबसाइट : [www.uppcl.org](http://www.uppcl.org) पर जाकर 'Smart Meter Prepaid Recharge' विकल्प चुनें।
- मोबाइल ऐप : 'UPPCL Smart App' डाउनलोड करें।
- वॉलेट्स : Paytm, Google Pay, PhonePe, Amazon Pay आदि।
- विभागीय काउंटर।
- अन्य : विद्युत सखी, जन सुविधा केंद्र (CSC), फिनटेक एजेंसी- सहज, व्यमटेक, सरल एवं बी०एल०एस०।

### 8 बैलेंस खत्म होने पर क्या तुरंत बिजली कट जाएगी ?

जी नहीं। उपभोक्ताओं को बैलेंस समाप्त होने के बाद कुछ दिनों का इमरजेंसी क्रेडिट पीरियड दिया जाता है। दिनांक **25.04.2026** से अलग-अलग श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिये इमरजेंसी क्रेडिट पीरियड की नई व्यवस्था निम्नवत है:

- घरेलू 1 कि०वा० तक के उपभोक्ताओं हेतु 30 दिन : घरेलू 1 कि०वा० तक के उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये बैलेंस खत्म होने के बाद भी 30 दिनों तक बिजली नहीं कटेगी। 30 दिनों में भी रिचार्ज करके अपना बैलेंस पॉजिटिव न करने पर बिजली स्वतः कट जायेगी।
- घरेलू 1 कि०वा० से अधिक एवं 2 कि०वा० तक : इन उपभोक्ताओं को 3 दिन अथवा ₹200 का (जो बाद में हो) इमरजेंसी क्रेडिट दिया जाता है। इसका मतलब यह है कि कम से कम 3 दिन तक बिजली नहीं कटेगी। उदाहरण के लिये बैलेंस खत्म होने के तीन दिन बाद आपका बैलेंस (-) 100 रुपया ही होता है तो बिजली नहीं कटेगी। अगर 7 दिन बाद बैलेंस (-) 200 रुपया हो जाता है और आप द्वारा रिचार्ज नहीं कराया जाता है तो बिजली अपने आप कट जायेगी।
- अन्य सभी उपभोक्ता : अन्य सभी उपभोक्ताओं को बैलेंस खत्म होने के बाद 3 दिनों का इमरजेंसी क्रेडिट पीरियड दिया जाता है। इस अवधि में भी रिचार्ज न कराने पर बिजली स्वतः कट जाती है। ध्यान दें कि इस दौरान खर्च की गई बिजली की राशि आपके अगले रिचार्ज से स्वतः कट जाएगी। अतः 'UPPCL Smart' App पर अपना मौजूदा बैलेंस और आगे की अनुमानित खपत के अनुसार ही अगला रिचार्ज करायें।

### 9 बैलेंस कम होने पर SMS अलर्ट कब भेजे जाते हैं?

उपभोक्ताओं को समय पर रिचार्ज की याद दिलाने के लिए सिस्टम द्वारा कई बार SMS भेजे जाते हैं:

- प्रथम अलर्ट: पिछले रिचार्ज का 30 प्रतिशत बचा होने पर।
- द्वितीय अलर्ट: पिछले रिचार्ज का 10 प्रतिशत बचा होने पर।
- शून्य बैलेंस : जब बैलेंस खत्म हो जाए।
- मासिक अलर्ट: प्रत्येक माह के आरंभ में।

### 10 क्या रात में और त्यौहारों में भी बिजली कट जायेगी ?

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कुछ समय ऐसे तय किए गए हैं जब बैलेंस खत्म होने पर या निगेटिव होने पर भी बिजली नहीं कटेगी:

- रात का समय : शाम 6:00 बजे से सुबह 8:00 बजे तक।
- अवकाश : रविवार, दूसरे शनिवार और सभी सार्वजनिक अवकाश।  
(नोट: इस दौरान खर्च की गई बिजली की राशि आपके अगले रिचार्ज से स्वतः कट जाएगी।)

### 11 रिचार्ज के बाद बिजली वापस आने में कितना समय लगता है ?

रिचार्ज सफल होने के बाद, यानी जब आपका प्री-पेड बैलेंस पॉजिटिव हो जाता है, तो सामान्यतः **2 घंटे के भीतर** आपकी बिजली अपने आप चालू हो जाती है। इसके

लिए आपको किसी कर्मचारी को बुलाने की आवश्यकता नहीं होती।

अगर 2 घंटे के बाद भी बिजली बहाल नहीं होती है, तो आप **1912** पर संपर्क कर सकते हैं। कम रिचार्ज करने पर आपका प्रीपेड बैलेंस पॉजिटिव नहीं होगा और बिजली चालू नहीं होगी, इसलिए यह ध्यान रखना जरूरी है कि आप कम से कम इतना रिचार्ज अवश्य करें जिससे आपका प्री-पेड बैलेंस पॉजिटिव हो जाए।

## 12 अगर मुझे लगता है कि मेरा मीटर बहुत तेज चल रहा है, तो मैं क्या करूँ?

आप संबंधित उपखंड कार्यालय (Sub-division office) में मीटर की जाँच के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित शुल्क जमा करके आपके परिसर में 'चेक मीटर' लगाया जाएगा जिससे सटीकता की पुष्टि हो सके।

## 13 यदि मैंने रिचार्ज किया और पैसा कट गया लेकिन बैलेंस अपडेट नहीं हुआ ?

ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं। कभी-कभी बैंक सर्वर की समस्या के कारण ऐसा होता है। **24-48 घंटों** में पैसा या तो बैलेंस में जुड़ जाएगा या आपके खाते में वापस आ जाएगा। आप **1912** पर ट्रांज़ैक्शन आई०डी० के साथ शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

## 14 यदि भविष्य में मेरा मोबाइल नंबर बदल जाए, तो उसे अपडेट कैसे करें?

अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर सही रखना बहुत जरूरी है ताकि आपको बैलेंस व अन्य सूचनाएँ मिलती रहें। इसके लिए:

- **ऑनलाइन**: पूर्व से रजिस्टर्ड उपभोक्ता UPPCL की आधिकारिक वेबसाइट [www.uppcl.org](http://www.uppcl.org) या 'UPPCL Smart App' के माध्यम से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदल सकते हैं।
- सलाह दी जाती है कि UPPCL की आधिकारिक वेबसाइट [www.uppcl.org](http://www.uppcl.org) पर अपना **e-KYC** जरूर करायें।
- **हेल्पलाइन**: टोल-फ्री नंबर 1912 पर कॉल करके अपना नया मोबाइल नंबर दर्ज करवाएं।
- **विभागीय कार्यालय**: अपने नजदीकी उपखंड कार्यालय (Sub-division office) में जाकर लिखित अनुरोध के माध्यम से नंबर अपडेट करवा सकते हैं।

## 15 स्मार्ट मीटर स्थापना के दौरान उपभोक्ता को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

मीटर लगवाते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर सतर्क रहें:

- **सही विवरण**: मीटर लगाने वाली टीम को अपना सही और वर्तमान में चालू मोबाइल नंबर ही दें क्योंकि इसी मोबाइल नंबर पर ही आपको विभिन्न सूचनाएँ, बैलेंस व बिल भेजा जायेगा।
- **मीटर सीलिंग सर्टिफिकेट**: स्मार्ट मीटर लगाने के बाद 'मीटर सीलिंग सर्टिफिकेट' की प्रति अवश्य मांगें। सुनिश्चित कर लें कि मीटर सीलिंग सर्टिफिकेट पर सभी सूचनाएँ यथा आपका नाम, अकाउंट आई०डी०, पुराने एवं नए मीटर के नंबर एवं रीडिंग और मोबाइल नंबर सही अंकित हों।
- **अंतिम रीडिंग**: पुराने मीटर को उतारते समय उसकी अंतिम रीडिंग (Final Reading) अपनी उपस्थिति में नोट करें। यही रीडिंग मीटर सीलिंग सर्टिफिकेट पर भरी जाती है।
- **पहचान पत्र**: केवल अधिकृत एजेंसी के कर्मचारियों से ही मीटर लगवाएं और उनका आईडी कार्ड जरूर देखें।
- **सोलर (Net Metering) उपभोक्ता विशेष ध्यान दें**: यदि आपके यहाँ पहले से सोलर एवं नेट मीटर लगा है, तो मीटर सीलिंग सर्टिफिकेट पर पुराने नेट-मीटर की Import (आयात) और Export (निर्यात) दोनों रीडिंग (KWh/KVAH) बिल्कुल सटीक अंकित होना जरूरी है।
- **पुराने की-पैड (CTS) आधारित प्री-पेड उपभोक्ता विशेष ध्यान दें**: यदि आपके यहाँ पुरानी तकनीक आधारित की-पैड प्री-पेड मीटर स्थापित है, तो मीटर सीलिंग सर्टिफिकेट पर पुराने प्री-पेड मीटर में अवशेष बैलेंस धनराशि का अंकित होना जरूरी है।

## 16 मेरी पुरानी 'सिक्वोरिटी मनी' (जमानत राशि) का क्या होगा ?

आपके कनेक्शन के प्रीपेड में परिवर्तित होते ही, पूर्व में जमा सिक्वोरिटी धनराशि को आपके पिछले बकाये (Arrears) में समायोजित कर दिया जाएगा। यदि कोई बकाया नहीं है, तो यह राशि आपके प्रीपेड बैलेंस के रूप में क्रेडिट कर दी जाएगी।

## 17 मीटर बदलने के बाद बैलेंस और बिलिंग कब शुरू होती है ?

मीटर लगाने के बाद तीन स्तरों पर क्वालिटी चेक (QC) की प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे आपके मीटर का सही डाटा सिस्टम में फीड हो। मीटर लगाने के बाद क्वालिटी चेक (QC) की प्रक्रिया एवं डाटा अपडेट होने में कुछ दिन (**7 से 15 दिन**) का समय लग सकता है।

इस दौरान स्मार्ट मीटर पोस्ट पेड मीटर की तरह कार्य करता है यानी इस दौरान आप जितनी बिजली का इस्तेमाल करते हैं, उसकी धनराशि पोस्ट पेड बैलेंस में बकाये के रूप में जुड़ती रहती है, जिसका भुगतान बिल बनने पर करना होता है।

## 18 मैं अपना वतमान प्रीपेड बैलेंस कहाँ और कैसे देख सकता हूँ?

आप इन 4 आसान तरीकों से अपना बैलेंस ट्रैक कर सकते हैं:

- **UPPCL स्मार्ट ऐप**: Google Play Store अथवा Apple के App Store से 'UPPCL Smart App' डाउनलोड करें। ऐप पर अपने मोबाइल नंबर या एकाउंट नंबर से लॉग-इन करें। यहाँ आपको रीयल-टाइम बैलेंस और दैनिक खपत दिखाई देगी।
- **विभागीय वेबसाइट**: www.uppcl.org पर 'Smart Meter Prepaid Recharge' सेक्शन में जाकर अपनी Account ID डालें। यहाँ बिना लॉगिन के भी बैलेंस देखा जा सकता है।
- **SMS अलर्ट**: आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर बैलेंस कम होने, शून्य होने या रिचार्ज सफल होने पर तत्काल SMS प्राप्त होता है।
- **स्मार्ट मीटर डिस्प्ले**: अपने घर के बाहर लगे मीटर के पुश-बटन को दबाएं। स्क्रीन पर आपको अपना बैलेंस (रुपयों में) दिखाई दे जाएगा।

## 19 मोबाइल ऐप के क्या फायदे हैं?

'UPPCL Smart App' के जरिए आप:

- रीयल-टाइम बैलेंस देख सकते हैं।
- पिछले 30 दिनों की दैनिक खपत का ग्राफ देख सकते हैं।
- रिचार्ज हिस्ट्री और बिलिंग विवरण देख सकते हैं।
- लोड (Load) बढ़ने या घटने की जानकारी पा सकते हैं।

## 20 मेरे बैलेंस में से प्रतिदिन बिजली बिल कैसे कटेगा ?

इलेक्ट्रिसिटी चार्ज, फिक्स्ड चार्ज, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी और अन्य शुल्क आपके प्रीपेड बैलेंस से प्रतिदिन के विद्युत उपभोग के आधार पर काटे जाते हैं। इससे उपभोक्ता पर महीने के अंत में एक साथ बोझ नहीं पड़ता।

**उदाहरण**: 2 kw शहरी घरेलू उपभोक्ता हेतु दिनांक 01.03.2026 को (बिजली खपत: 5 यूनिट, अधिकतम भार: 2 कि० वा०):

- दैनिक फिक्स्ड चार्ज (FC) @ ₹0 110 प्रति कि० वा० : =  $2 * 110/31 = ₹0 7.10$
- दैनिक एनर्जी चार्ज (EC) @ ₹0 5.50 प्रति यूनिट : =  $5 * 5.50 = ₹0 27.50$
- दैनिक ईंधन अधिभार (FPPAS) @ 2.8% (EC+ FC) : =  $(7.10+27.50) * 2.8\% = ₹0 0.97$
- इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी (ED) @5% (EC+ FC+ FPPAS) : =  $(7.10+27.50+0.97) * 5\% = ₹0 1.82$
- दैनिक बिल = 7.10+ 27.50+ 0.97+1.82 = ₹0 37.42**

## 21 अगर मेरा पिछला बिल बकाया है, तो क्या मेरी बिजली काट दी जाएगी ?

नहीं। आपका कनेक्शन केवल प्रीपेड बैलेंस खत्म होने पर ही कटता है। स्मार्ट मीटर लगने से पहले के बकाये पर बिजली नहीं कटती। प्रीपेड में बदलने के बाद पिछले बकाये के भुगतान के लिए आपको समय दिया जाता है। बकाये की राशि को 'Arrears' कॉलम में दिखाया जाता है और इसे **किश्तों में चुकाने की सुविधा** भी उपलब्ध है।

## 22 रिचार्ज करने पर पूरा पैसा बैलेंस में क्यों नहीं जुड़ता ?

यदि आपके खाते पर पिछला बकाया (Post-paid Arrear) है, तो नीचे दी गयी तालिका के अनुसार आपके रिचार्ज का एक निश्चित प्रतिशत पुराने बकाये के सापेक्ष स्वतः कट जाता है। शेष राशि आपके वर्तमान उपयोग के लिए उपलब्ध होती है।

मूल बकाया (रुपये में) — घरेलू उपभोक्ताओं के लिए	प्रत्येक रिचार्ज से समायोजित राशि (%)
10,000 रुपये तक	10%
10,000 से अधिक और 15,000 तक	15%
15,000 से अधिक और 20,000 तक	20%
20,000 से अधिक	कम से कम 25%

अन्य सभी उपभोक्ताओं के लिए, प्रत्येक रिचार्ज राशि का कम से कम 25% पोस्टपेड बकाया राशि में समायोजित किया जाएगा।

## 23 क्या मैं पिछले बकाये का एक साथ भुगतान कर सकता हूँ ?

हाँ। आप विभागीय काउंटर, UPPCL Smart App, जन सुविधा केंद्र (CSC) तथा फिनटेक एजेंसी- सहज, व्यमटेक, सरल एवं बी०एल०एस० के माध्यम से

एकमुश्त बकाया चुका सकते हैं। इससे आप बकाये पर भविष्य में लगने वाले विलम्ब शुल्क (ब्याज) से बच सकेंगे। विद्युत सखी के माध्यम से बकाये के भुगतान की सुविधा शीघ्र विकसित की जा रही है।

## 24 मुझे कितना रिचार्ज करना चाहिये ?

यह सुझाव है कि बार-बार रिचार्ज की प्रक्रिया से बचने के लिए आपको इतना रिचार्ज करना चाहिए कि पोस्टपेड बकाये में समायोजन के बाद आपके प्रीपेड बैलेंस में औसत मासिक खर्च जितना पॉजिटिव बैलेंस हो जाये।

**उदाहरण :** मान लीजिये, आपका मासिक बिजली खर्च ₹0 3,000 है। आपका पोस्टपेड बकाया ₹0 10,000 तथा वर्तमान प्रीपेड बैलेंस ₹0 (-) 1,000 है। अगर आप ₹0 4,500 से रिचार्ज करते हैं — रिचार्ज से 10% आपके पोस्टपेड बकाये में समायोजित होगा।

किया गया रिचार्ज: ₹0 4500 | पूर्व पोस्टपेड बकाया: ₹0 10,000

पोस्टपेड बकाये में समायोजित (10%): ₹0 450 | अवशेष पोस्टपेड बकाया: ₹0 9,550

प्रीपेड हेतु उपलब्ध रिचार्ज: (4500-450)= ₹0 4050 | पूर्व बैलेंस: ₹0 (-) 1,000

**रिचार्ज के बाद नया बैलेंस : (4050-1000)= ₹0 3050**

## 25 रिचार्ज करने की न्यूनतम और अधिकतम सीमा क्या है ?

रिचार्ज की कोई न्यूनतम अथवा अधिकतम सीमा नहीं है। आप अपनी आवश्यकतानुसार कितनी भी राशि का रिचार्ज कर सकते हैं।

## 26 क्या स्मार्ट मीटर के लिए अलग से मीटर रीडर आएगा ?

नहीं। स्मार्ट मीटर स्वचालित रूप से हर महीने के अंत में बिल बनाता है। आपकी खपत का डेटा सीधे सर्वर पर चला जाता है। आपको बिल SMS के माध्यम से प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आप अपना बिल UPPCL की विभागीय वेबसाइट [www.uppcl.org](http://www.uppcl.org) एवं 'UPPCL Smart App' से डाउनलोड कर सकते हैं।

## 27 क्या स्मार्ट मीटर सुरक्षित हैं?

हाँ, स्मार्ट मीटर पूरी तरह सुरक्षित हैं। डेटा ट्रांसमिशन के लिए एन्क्रिप्शन तकनीक का उपयोग किया जाता है, जिससे आपकी खपत की जानकारी गोपनीय रहती है।

## 28 साइबर फ्रॉड से कैसे बचें?

- बिजली काटने की धमकी वाले फर्जी SMS से सावधान रहें। स्मार्ट मीटर के भुगतान से सम्बन्धित SMS लिंक UPPCL के निम्न SMS हेडर से ही भेजे जाते हैं: **UPPCLT और UPPCLA**
- भुगतान करने के लिये, ऊपर दिये गये SMS हेडर से भेजे गये लिंक पर क्लिक कर भुगतान करने से पहले यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि खुली वेबसाइट [https://consumer.uppcl.org/wss/pay\\_bill\\_home](https://consumer.uppcl.org/wss/pay_bill_home) ही है।
- केवल आधिकारिक वेबसाइट ([www.uppcl.org](http://www.uppcl.org)) या अधिकृत ऐप का ही उपयोग करें।
- किसी कर्मचारी को स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पैसा न दें।
- किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को रिचार्ज के लिए पैसे न दें। केवल आधिकारिक माध्यमों का ही उपयोग करें।

## 29 मीटर में 'स्टोर रीडिंग' (Stored Reading) क्या होती है ?

मीटर में स्टोर रीडिंग वह यूनिट्स होती हैं जो मीटर में तो चलती रहती हैं, लेकिन किसी कारण से उनका सही समय पर बिल नहीं बन पाता और वे जमा होती रहती हैं। जब मीटर रीडर सही रीडिंग नहीं लेता या अनुमान से कम यूनिट डालकर बिल बना देता है, तो असली खपत और बिल में फर्क आ जाता है। यही फर्क मीटर में "स्टोर" हो जाता है और इसी को "स्टोर रीडिंग" (Stored Reading) कहा जाता है।

स्टोर रीडिंग मतलब वो यूनिट्स जिनका पहले बिल नहीं बना और बाद में एक साथ बिल में जुड़ जाती हैं।

## 30 पुराने मीटर की 'स्टोर रीडिंग' (Stored Reading) का क्या होता है ?

स्मार्ट मीटर लगने के समय, यदि आपके पुराने मीटर में कुछ ऐसी यूनिट्स (रीडिंग) बची हैं जिनका पिछला बिल नहीं बन पाया था, तो वह पूरी 'अन-बिल्ड स्टोर रीडिंग' स्मार्ट मीटर के पहले बिल में जोड़ दी जाएगी।

इसी कारण स्मार्ट मीटर लगने के बाद पहला बिल आपको अधिक लग सकता है। यह कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं, बल्कि आपके द्वारा पहले उपयोग की गई बिजली

### 31 स्मार्ट मीटर में पोस्ट पेड बैलेंस क्या होता है ?

स्मार्ट मीटर में पोस्ट-पेड बैलेंस का अर्थ उस राशि से होता है जो प्रीपेड होने से पहले उपभोक्ता द्वारा उपयोग की गई बिजली के बदले अभी तक जमा नहीं की गई है, यानी यह एक प्रकार का बकाया (Outstanding) होता है । जब मीटर पोस्ट-पेड मोड पर चलता है, तो उपभोक्ता पहले बिजली का उपयोग करता है और बाद में उसका भुगतान करता है ।

इस प्रकार जिस दिन से उपभोक्ता का मीटर प्री-पेड हुआ है, उस दिन से पोस्ट-पेड बैलेंस उपभोक्ता की देनदारी को दर्शाता है ।

### 32 क्या स्मार्ट मीटर लगने के कारण बिल अधिक आता है ?

स्मार्ट मीटर लगने के बाद कुछ उपभोक्ताओं को बिल अधिक लगने का मुख्य कारण यह है कि अब बिजली की खपत का पूरा और सटीक हिसाब सामने आने लगता है । पहले पारंपरिक मीटरों में कई बार मीटर रीडर की गलती, मीटर के डिस्प्ले में खराबी या सही रीडिंग न दिखने के कारण गलत या अनुमानित रीडिंग दर्ज हो जाती थी । इससे वास्तविक खपत और बिल में अंतर रह जाता था ।

इसी अंतर के कारण कुछ यूनिट्स का बिल समय पर नहीं बन पाता और वे मीटर में जमा रहती हैं, जिन्हें स्टोर रीडिंग कहा जाता है । जब पुराने मीटर की जगह स्मार्ट मीटर लगाया जाता है, तो ये सभी जमा यूनिट्स एक साथ बिल में जुड़ जाती हैं, जिससे बिल अचानक अधिक दिखाई देता है ।

### 33 क्या सोलर पैनल लगवाने पर मुझे स्मार्ट मीटर बदलना होगा ?

नहीं । आपके घर लगा हुआ स्मार्ट प्रीपेड मीटर भविष्य के लिए तैयार (Future Ready) है । यदि आप बाद में रूफटॉप सोलर लगवाते हैं, तो आपको मीटर बदलने की आवश्यकता नहीं होगी । यही मीटर सोलर की 'नेट मीटरिंग' के लिए सक्षम है ।

### 34 क्या सोलर पैनल लगवाने पर मेरा बिजली का बिल शून्य हो जायेगा ?

जब आपका सोलर पैनल बिजली बनाता है और वह बिजली आपके घर में इस्तेमाल हो जाती है, तो ठीक है । लेकिन अगर उससे ज्यादा बिजली बन जाती है और वह बच जाती है, तो वह बिजली बिजली विभाग के ग्रिड में चली जाती है — इसे Export यूनिट कहते हैं ।

वहीं, जब आपके घर में जरूरत ज्यादा होती है और सोलर से उतनी बिजली नहीं बन पाती (जैसे रात में या बादल होने पर), तब आप बिजली विभाग से बिजली लेते हैं — इसे Import यूनिट कहते हैं ।

अगर आपके सोलर सिस्टम से भेजी गई बिजली (Export यूनिट) आपके द्वारा ली गई बिजली (Import यूनिट) से ज्यादा हो जाती है, तो आपके बिजली बिल में केवल इनर्जी चार्ज (Energy Charge) जीरो होता है । **लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपका पूरा बिजली बिल जीरो हो गया है ।** आपको फिर भी फिक्स्ड चार्ज (Fixed Charge), इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी (Electricity Duty) और अन्य लागू शुल्क देने पड़ते हैं ।

यानी सोलर लगाने से आपका बिल कम हो सकता है, लेकिन पूरी तरह जीरो नहीं होगा क्योंकि कुछ जरूरी शुल्क हमेशा देने होते हैं ।

### 35 प्रीपेड सिस्टम में 'नेट मीटरिंग' (Net Metering) कैसे काम करती है ?

यह सुविधा केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए है । नेट मीटरिंग में आपके द्वारा ग्रिड से ली गई बिजली (Import) और ग्रिड को दी गई बिजली (Export) के अंतर (Net Units) पर बिल बनता है ।

- **लॉजिक :** प्रतिदिन आपकी नेट यूनिट निकाली जाती है [Import - Export] ।
- **गणना :** यदि नेट यूनिट पॉजिटिव है, तो उस पर लागू टैरिफ स्लैब के अनुसार चार्ज काटा जाएगा । यदि यह नेगेटिव है (आपने बिजली ज्यादा दी है), तो उस दिन का बिजली शुल्क (Energy Charge) शून्य होगा और बची हुई यूनिट अगले दिन के लिए 'कैरी फॉरवर्ड' हो जाएगी ।
- **ध्यान दें :** अगर आपका Export Unit, Import Unit से अधिक है तो केवल इनर्जी चार्ज (EC) शून्य होता है । इससे फिक्स्ड चार्ज (FC), इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी (ED) एवं अन्य शुल्क समायोजित नहीं होते ।

### 36 'नेट बिलिंग' (Net Billing) का दैनिक गणना लॉजिक क्या है ?

नेट बिलिंग में बिजली के आने और जाने की दरों का अलग-अलग हिसाब होता है ।

- **स्टेप 1:** ग्रिड से ली गई बिजली (Import) की कीमत लागू टैरिफ स्लैब पर निकाली जाती है ।
- **स्टेप 2:** ग्रिड को दी गई बिजली (Export) की कीमत टैरिफ ऑर्डर में निर्धारित दर (जैसे ₹0 3/यूनिट या जो भी लागू हो) पर निकाली जाती है ।

- **स्टेप 3:** शुद्ध देय राशि = (Import की कीमत) - (Export की कीमत) ।

**उदाहरण (नेट बिलिंग):** मान लीजिए एक दिन में — आपने ग्रिड से 30 यूनिट ली (Import), आपने ग्रिड को 20 यूनिट दी (Export) । दर: Import = ₹0 7/यूनिट, Export = ₹0 3/यूनिट ।

Import खर्च:  $30 \times 7 = ₹0 210$  | Export बचत:  $20 \times 3 = ₹0 60$

उस दिन आपके बैलेंस से कटौती: ₹0 210 - ₹0 60 = **₹0 150 + फिक्स्ड चार्ज + इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी और अन्य चार्ज** ।

### 37 शिकायत दर्ज करने के लिए संपर्क सूत्र क्या हैं?

#### 📞 संपर्क करें

**टोल फ्री नंबर :** 1912 (24 घंटे उपलब्ध)

**वेबसाइट :** www.uppcl.org

**व्हाट्सएप (चैटबॉट):** मध्याह्न: 766-900-3409  
पश्चिमांचल: 785-980-4803  
पूर्वांचल: 801-096-8292  
दक्षिणांचल: 801-095-7826  
केस्को: 828-783-5233

### 38 1912 पर ही शिकायत क्यों दर्ज करें?

1912 पर शिकायत दर्ज करने की सलाह इसलिए दी जाती है क्योंकि यह बिजली विभाग का आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर है, जहाँ आपकी शिकायत सही तरीके से दर्ज होती है और उसका पूरा रिकॉर्ड सिस्टम में सुरक्षित रहता है । जब आप 1912 पर शिकायत करते हैं, तो आपको एक शिकायत नंबर (Complaint Number) मिलता है, जिससे आप अपनी शिकायत की स्थिति कभी भी जान सकते हैं ।

इसके अलावा, 1912 पर दर्ज शिकायत सीधे संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुँच जाती है, जिससे समस्या का समाधान तय समय में करने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और उस पर उच्चाधिकारियों की निगरानी भी रहती है ।

एक और बात यह है कि जब आपकी समस्या का समाधान हो जाता है, तो आप 1912 पर ही अपना फीडबैक भी दे सकते हैं ।

**इसलिए आसान, भरोसेमंद और असरदार समाधान के लिए 1912 पर शिकायत दर्ज करना सबसे अच्छा तरीका है ।**

**उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि० द्वारा जनहित में जारी — स्मार्ट प्रीपेड मीटर FAQ | दिनांक : 25.04.2026**

अधिक जानकारी के लिए 'UPPCL Smart App' डाउनलोड करें या [www.uppcl.org](http://www.uppcl.org) विजिट करें ।

शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर: **1912** (24 घंटे उपलब्ध)

#SmartMeter | #UPPCL | #UttarPradesh | #बिजली | #PrepaidMeter | #UPPCLSmart